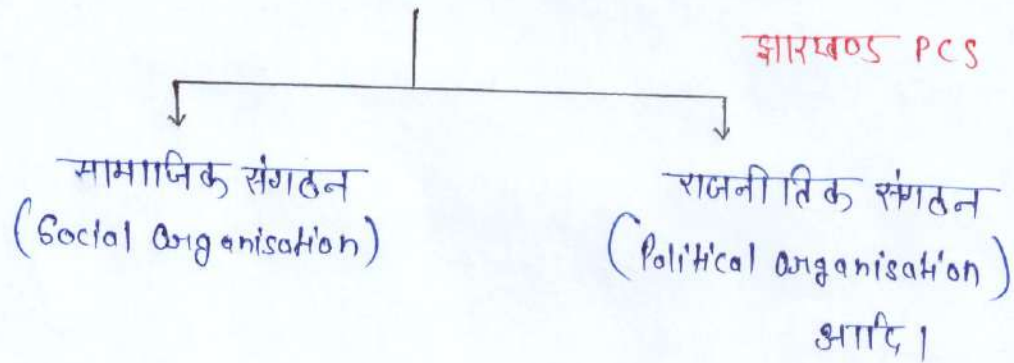


आर्थिक विकास के गैर आर्थिक कारक

Non Economic Factors of Economic Development



सम्भाव्य जीडीपी (Potential GDP)

जीडीपी की अधिकतम मात्रा जो एक राष्ट्र अपने दिए हुए संसाधनों के कुशलतम प्रयोग से उत्पादित कर सकता है।

वास्तविक जीडीपी (Actual GDP)

सम्भाव्य जीडीपी से कम या अधिक हो सकती है।

नोट - सम्भाव्य जीडीपी का स्तर भी बदलता रह सकता है क्योंकि सम्भाव्य जीडीपी को कई प्रकार के कारक प्रभावित करते हैं जैसे- मानव पूँजी का स्तर, भौतिक पूँजी का स्तर, तकनीकी, प्राकृतिक संसाधन, बचत की दर,

निवेश का स्तर, ICoR, आधारभूत संरचना,
प्रशासनिक प्रणाली आदि।

भारत में राष्ट्रीय आय का मूल्यांकन करने की नई विधि:

- इसे जनवरी 2015 में शुरू किया गया था।
- यह SNA-2008 पर आधारित है।
L (System of National Accounts)
- इसके अन्तर्गत यह कहा गया कि ग्राथ रेट का
पता लगाने के लिए निम्न अवधारणा का
प्रयोग किया जाएगा।
GDP At constant Market Prices

या

Real GDP_{mp}

Note:-

2015 से पहले भारत में ग्राथ रेट मापने के
लिए Real GDP_{fc} का प्रयोग होता था।

- जी.डी.पी._{mp} निकालने के लिए निम्न सूत्र का
प्रयोग करने के लिए कहा गया था -

$$GDP = \sum GVA \text{ at basic prices} + \text{Net Tax on Products}$$

Indirect taxes

वर्ष 2023-24 के SAE (Second Advance estimates)

(i) ग्रोम रेट :-

- a. स्थिर मूल्यों पर - 7.6% [74. 2022-23]
- b. चालू मूल्यों पर - 9.1%

(ii) PCI :-

- a. स्थिर मूल्यों पर - ₹ 1,06,934
- b. चालू मूल्यों पर - ₹ 1,83,236

(iii) क्षेत्रानुसार वृद्धि दरें (2011-12 की कीमतों पर)

P ← (i) कृषि, Livestock, Forestry and Fishing → 10.7%

- S {
- (ii) Mining - 8.1%
 - (iii) Manufacturing - 8.5%
 - (iv) Electricity, gas, water supply etc. → 7.5%
 - (v) Construction - 10.7%

- (vi) Trade, Hotels, Transport, communication and Services related to broadcasting - 6.3 %
- (vii) Financial, Real Estate and professional Services 8.2 %
- (viii) Public Administration, Defence and other Services 7.7 %

$\sum$ GVA at basic prices - 6.9 %

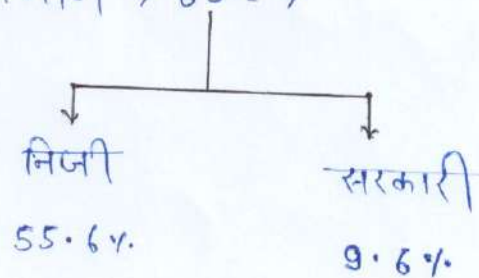
P - Primary Sector

S - Secondary Sector / Industrial Sector / Industry

T - Tertiary Sector / Services Sector

4. Demand Side view of India's GDP

सर्वाधिक योगदान : उपभोग $\rightarrow$ 65.2 %



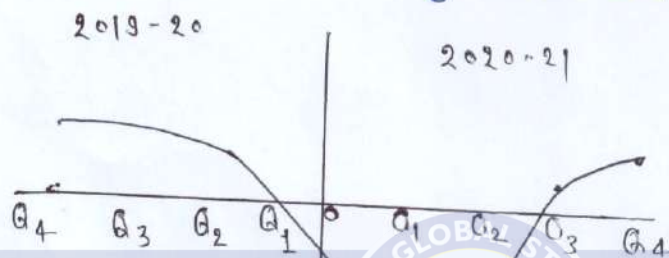
Type of Recovery:-

(पुनर्स्थान के प्रकार)

(i) 'V' Shape Recovery :-

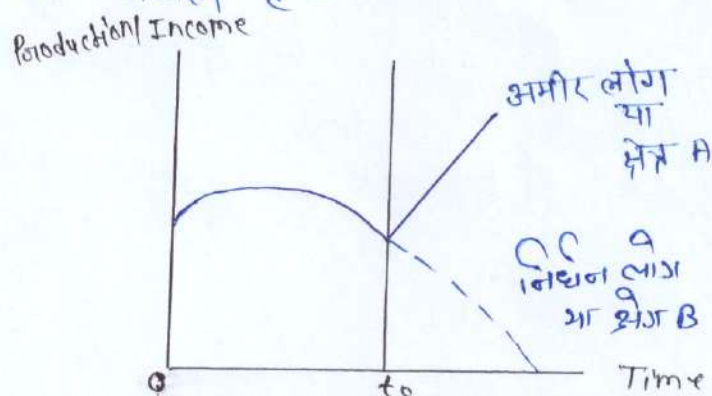
यदि कोई अर्थव्यवस्था तेज गति से मंदी से बाहर निकलती है तो इसे 'V' Shape Recovery कहते हैं।

कोरोना के बाद में भारत की Recovery को 'V' Shape Recovery बोला गया था -



(ii) 'K' Shape Recovery :-

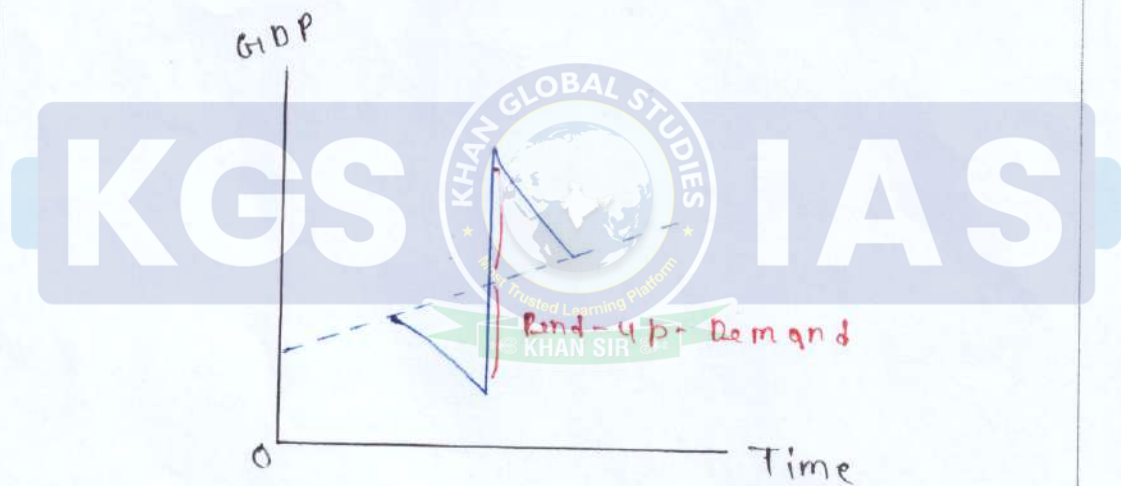
यदि क्षेत्रों या लोगों के अनुसार Recovery में विषमता होती है तो इसे 'K' Shape Recovery कहते हैं इसे निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है -



(iii) 'W' Shape recovery :-

वर्तमान में विशेष रूप से चर्चित
Double dip recession को दिखाता है।

(iv) 'Z' Shape recovery :-



(v) Nike Swoosh Recovery :-

